

## मैं भानु लली की दया चाहती हूँ

मैं भानु लली की दया चाहती हूँ  
अटारी की ताजी हवा चाहती हूँ ..

भटकती रही मैं तो दुनिया के दर पर  
कब जाकर पहुंचुगी लाडली के दर पर,  
अब चरणों में तेरे पन्हा चाहती हूँ  
मैं भानु लली की दया चाहती हूँ ..

सुना है तेरा दर है जन्नत का दरिया  
पहुंचने का प्यारी तुम ही एक जरिया,  
यही प्यार तुझसे वफ़ा चाहती हूँ  
मैं अटारी की ताजी हवा चाहता हूँ ..

दयालु हो थोड़ी दया मुझ पर कर दो  
भक्ति का प्याला हृदय में भर दो,  
मैं बीमार हूँ कुछ दवा चाहती हूँ  
अटारी की ताजी हवा चाहती हूँ ..  
मैं भानु लली की दया चाहती हूँ ..

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/18481/title/mein-bhanu-lali-ki-daya-chahti-hu>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |